स्वच्छ भारत
एक कदम स्वच्छता की ओर

पेयजल एवं स्वच्छता विभाग
जल शक्ति मंत्रालय
भारत सरकार
DEPARTMENT OF DRINKING WATER AND SANITATION
MINISTRY OF JAL SHAKTI
GOVERNMENT OF INDIA

स्वच्छता समाचार

सितम्बर 2024

स्वच्छ भारत मिशन - ग्रामीण

@swachhbharat @SBMGramin @SwachhBharatMissionGramin @swachhbharatgrameen

"भारत स्वतंत्रता की 78वीं वर्षगांठ मना रहा है अत: जलवायु परिवर्तन और ग्रामीण स्वच्छता के विकसित परिदृश्य से उत्पन्न दोहरी चुनौतियों पर हमें विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है। अक्सर आने वाली जल आपदाओं से बढ़ा हुआ जलवायु परिवर्तन, व्यवहार्य बनाने तथा स्वास्थ्य और कल्याण सुनिश्चित करने के लिए आधारशिला के रूप में स्वच्छता के सतत् महत्व को रेखांकित करता है। स्वच्छ और स्थायी प्रथाओं को प्राथमिकता देकर, हम अपने समुदायों की रक्षा कर सकते हैं और सभी के लिए एक स्वस्थ भविष्य का निर्माण कर सकते हैं। आइए हम सब यह सुनिश्चित करने के लिए एकजुट होकर काम करें कि स्वच्छता हमारी राष्ट्रीय प्राथमिकता बनी रहे।"

श्री सी. आर. पाटिल
केंद्रीय मंत्री, जल शक्ति मंत्रालय

कार्यक्रम की उपलब्धियां

30 अगस्त, 2024 तक

ODF PLUS

भारत के **5.52 lakh** से अधिक बसे हुए गांवों ने स्वयं को ODF Plus घोषित किया है।

- उदीयमान: **2,45,342**
- उज्ज्वल: **28,761**
- उत्कृष्ट: **2,78,112**
- सत्यापित: **1,08,441**

3,86,190 गांवों में ठोस कचरा प्रबंधन की व्यवस्था है
4,94,105 गांवों में तरल अपशिष्ट प्रबंधन की व्यवस्था है
249 निर्माणाधीन बायोगैस संयंत्र
747 कार्यशील बायोगैस संयंत्र
82 कार्यपूर्ण बायोगैस संयंत्र
3,488 ब्लॉकों में प्लास्टिक कचरा प्रबंधन की व्यवस्था है

स्वच्छता पखवाड़ा (अगस्त, 2024)

कारपोरेट कार्य मंत्रालय:

1. मंत्रालय के अधीन सभी सांविधिक/स्वायत्त निकायों में स्वच्छता पखवाड़ा मनाए जाने का व्यापक प्रचार-प्रसार किया गया।
2. सचिव, कॉरपोरेट कार्य ने कॉरपोरेट कार्य मंत्रालय (मुख्यालय) के सभी अधिकारियों को शपथ दिलाई।

जनजातीय कार्य मंत्रालय :

1. स्वच्छता पखवाड़ा के लिए हस्ताक्षर अभियान और डिजिटल मीडिया अभियान चलाया गया।
2. TRIFED द्वारा वृक्षारोपण अभियान शुरू किया गया।
3. मंत्रालय के अधिकारियों/कर्मचारियों ने श्रमदान गतिविधियां चलाईं।
4. मंत्रालय के सभी अधिकारियों द्वारा स्वच्छता शपथ ली गई।
5. मंत्रालय के सभी अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए स्वच्छता पर निबंध और भाषण प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं।

महिला एवं बाल विकास मंत्रालय:

1. मंत्रालय के सभी कार्यालयों में कचरा प्रबंधन और स्वच्छता संबंधी सामाजिक अभियान चलाए गए।

भारी उद्योग और सार्वजनिक उद्यम मंत्रालय:

1. प्लास्टिक कचरे को उठाने, एकत्र करने और अलग करने के लिए पार्क और बाजार सहित सामान्य स्थानों पर प्लास्टिक कचरे के विरुद्ध विशेष अभियान का आयोजन किया गया।
2. श्री आर.डी. सावंत और श्री आर.डी.चौधरी द्वारा प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड से सहमति की आवश्यकता पर वेबिनार संबंधी उक्त कार्यक्रम सभी एआरएआई कर्मचारियों के लिए खुला था।
3. डॉ. अतुल ठाकुर ने समग्र अर्थव्यवस्था (सर्कुलर इकोनॉमी) और टिकाऊ शहरों (सस्टेनेबल सिटीज) पर एक वार्ता आयोजित की, जो एआरएआई के सभी कर्मचारियों के लिए उपलब्ध रही।
4. पलक्कड़ की प्रख्यात हस्ती द्वारा स्वच्छता वार्ता का आयोजन किया गया।
5. आईएलपी की निबंध लेखन प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं और स्थानीय क्षेत्र में सभी स्थानों पर बैनर लगाए गए।

जुलाई में उत्तर प्रदेश का विशेष स्वच्छता अभियान

जुलाई 2024 के दौरान, उत्तर प्रदेश के मुख्य सचिव के निर्देशों का पालन करते हुए, उत्तर प्रदेश ने वेक्टर-जनित रोगों से निपटने के लिए एक "विशेष संचारी रोग" अभियान शुरू किया। इस पहल का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में व्यापक स्वच्छता प्रयासों के माध्यम से जापानी एन्सेफलाइटिस (JE) और तीव्र एन्सेफलाइटिस सिंड्रोम (AES) जैसी बीमारियों की घटनाओं को कम करना है।

मानसून का मौसम गंदगीयुक्त पर्यावरण, जलभराव और मच्छरों के प्रजनन जैसी चुनौतियां लेकर आता है, जिससे बीमारी का खतरा बढ़ जाता है। यह अभियान सामुदायिक जागरूकता और स्वच्छता संबंधी अभियानों पर केंद्रित था, जिसमें स्वास्थ्य और परिवार कल्याण, शहरी विकास, पंचायती राज, ग्रामीण विकास और अन्य जैसे विभाग शामिल थे।

सामुदायिक लामबंदी और जन जागरूकता

- शौचालय की सफाई, व्यक्तिगत साफ-सफाई और हाथ धोने को बढ़ावा देना।.
- घरों से रुके हुए पानी की निकासी को प्रोत्साहित करना।
- बीमारियों को फैलने से रोकने के उपायों के संबंध में शिक्षित करना।

सुरक्षित पेयजल का प्रावधान

- निष्क्रिय या दूषित नलकूपों को लाल रंग में चिह्नित करना और उनका उपयोग न करने की सलाह देना।
- व्यक्तिगत या सामुदायिक जल फिल्टर और स्टैंड पोस्ट में सहयोग करना।
- जल स्रोतों और लीच पिट शौचालय या सीवर लाइनों के बीच सुरक्षित दूरी बनाए रखना।
- पेयजल के स्रोतों का नियमित रूप से क्लोरीनीकरण और कीटाणुशोधन।

और अधिक पढ़ने के लिए यहां क्लिक करें

स्वच्छ भविष्य के लिए जम्मू-कश्मीर एकजुट: पहले सप्ताह में स्वच्छता पखवाड़े में 4.2 मिलियन से अधिक लोग शामिल हुए

जम्मू एवं कश्मीर के माननीय उपराज्यपाल श्री मनोज सिन्हा द्वारा SKICC में "शुचिता संग्राम" के बैनर तले स्वच्छता पखवाड़े का उद्घाटन करने के एक सप्ताह बाद, इसमें जनता की व्यापक भागीदारी देखी जा रही है, जिसमें जम्मू एवं कश्मीर के विभिन्न भागों के 4.2 मिलियन से अधिक नागरिक स्वच्छता से संबंधित कई गतिविधियों में शामिल हुए हैं।

हलचल भरे जिला मुख्यालयों से लेकर दूर-दराज की पंचायतों तक, पूरे क्षेत्र में स्वच्छता का उत्साह सिर चढ़कर बोल रहा है। अभियान के पहले सप्ताह के दौरान, 67871 से अधिक गतिविधियां आयोजित की गई हैं, और प्रतिभागियों ने सामूहिक रूप से विभिन्न पहलों में 3.3 मिलियन मिनट से अधिक समय व्यतीत किया है। जैसा कि 1 अगस्त से 15 अगस्त तक दिन-प्रतिदिन की गतिविधियों को कवर करने के लिए विकसित आधिकारिक आईटी निगरानी डैशबोर्ड (www.shuchitasangram.in) पर सूचित किया गया है। पहले सप्ताह के दौरान, 710 लोगों ने वेबसाइट से "स्वच्छता प्रतिज्ञा प्रमाणपत्र" भी डाउनलोड किए हैं। उप राज्यपाल श्री सिन्हा द्वारा रवाना की गई दो IEC वैन श्रीनगर, बारामूला, गांदरबल, पुलवामा और शोपियां जिलों के ग्रामीण इलाकों की यात्रा पर हैं।

चल रहे "शुचिता संग्राम" के दौरान, स्वच्छता से लेकर जागरूकता अभियान और सामुदायिक लामबंदी से लेकर स्वास्थ्य शिविरों तक कई कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं, जिनका उद्देश्य जम्मू-कश्मीर में स्वच्छता की संस्कृति को बढ़ावा देना है, जिससे सभी समुदाय के सदस्यों की सक्रिय भागीदारी को प्रोत्साहित किया जा सके। एक आईटी डैशबोर्ड, स्वच्छता गतिविधियों की वास्तविक समय की निगरानी के लिए एक अत्याधुनिक मंच, अभियान की प्रगति की पारदर्शी और कुशल जानकारी प्रदान करता है। "एक पेड़ शहीदों के नाम," एक औपचारिक वृक्षारोपण को इस पूरे सप्ताह आयोजित किया गया था, जो शहीदों को समुदाय की श्रद्धांजलि का प्रतीक था और अभियान के प्रति सम्मान और स्मरण की भावना को रेखांकित करता था।

और अधिक पढ़ने के लिए यहां क्लिक करें

प्रकाश स्तंभ (लाइट हाउस पहल) (LHI) चरण 1 और 2: दृष्टिकोण और प्रदेयवस्तु (डिलिवरेबल्स)

लाइट हाउस इनिशिएटिव (LHI) ODF Plus Model ब्लॉक को बढ़ाने के लिए स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) के साथ अपनी भागीदारी को जारी रखते हुए अपने सफल चरण 1 से अगले महत्वाकांक्षी चरण 2 में जाने के लिए तैयार है।

चरण 1 में, पेयजल एवं स्वच्छता विभाग (DDWS) ने स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) में निजी क्षेत्र की भागीदारी की महत्वपूर्ण भूमिका को स्वीकार किया। इसने एक कॉर्पोरेट सहयोग ढांचे का निर्माण किया, जो उनके CSR कार्यक्रमों के तहत सामुदायिक स्वच्छता में कॉर्पोरेट योगदान के महत्व पर प्रकाश डालता है। यह ढांचा, कॉर्पोरेट्स को बुनियादी ढांचे के विकास, प्रशिक्षण, क्षमता निर्माण और व्यवहार परिवर्तन की पहल से जुड़ने के लिए प्रोत्साहित करता है।

चरण 1 में कॉर्पोरेट भागीदारों द्वारा समुदायों को सशक्त बनाने के लिए महत्वपूर्ण प्रयास किए गए, जिनमें भागीदारी ग्रामीण मूल्यांकन, ग्राम सभाओं में चर्चा, जागरूकता अभियान और अपशिष्ट प्रबंधन की जानकारी प्राप्त करने के लिए बिहार में, 'स्वच्छ मित्र ऐप' जैसी प्रायोगिक परियोजनाएं शामिल हैं।

इन सफलताओं के आधार पर, LHI चरण 2 का लक्ष्य चरण 1 से सीख को बढ़ाना है। जुलाई 2024 से मार्च 2025 तक निर्धारित, चरण 2 का विस्तार 14 राज्यों के 43 ब्लॉकों तक होगा, जिसमें आठ कॉर्पोरेट्स: ITC, अल्ट्राटेक, HCL, नायरा एनर्जी, जमना ऑटो, JSPL, हिंडाल्को और BIPF शामिल होंगे।

और अधिक पढ़ने के लिए यहां क्लिक करें

तेलंगाना सरकार ने स्वच्छता और हरियाली बढ़ाने के लिए "स्वच्छदानम-पच्चादनम" कार्यक्रम शुरू किया

5 अगस्त से 9 अगस्त, 2024 तक, तेलंगाना सरकार ने "स्वच्छदानम-पचादानम" कार्यक्रम का नेतृत्व किया, जिसका उद्देश्य ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में रहन-सहन की परिस्थितियों में उल्लेखनीय सुधार करना है। स्वच्छता, साफ-सफाई और हरियाली को बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित इस पहल ने अंततः SBM-G के लक्ष्यों के अनुरूप निवासियों के लिए जीवन स्तर को और बेहतर बनाने का लक्ष्य रखा।

उद्देश्य और प्रमुख कार्य: अंतर-मंत्रालयी स्वच्छदानम-पच्चादानम कार्यक्रम को तेलंगाना राज्य में लोक स्वास्थ्य और पर्यावरणीय स्वच्छता के विभिन्न पहलुओं पर ध्यान केंद्रित करने के लिए डिज़ाइन किया गया था। दिन-वार ध्यान दिए जाने वाले क्षेत्रों की पहचान की गई और उन्हें साझा किया गया।

इन गतिविधियों के कार्यान्वयन की निगरानी पर नजर रखने के लिए, अखिल भारतीय सेवा के वरिष्ठ अधिकारियों को प्रत्येक जिले के लिए विशेष अधिकारियों के रूप में नामित किया गया था। जिला कलेक्टरों ने कार्यक्रम की सफलता सुनिश्चित करने के लिए नियमित समीक्षा और रिपोर्टिंग सुनिश्चित करके गतिविधियों का समन्वय किया। स्वच्छता और हरियाली के प्रति निरंतर प्रतिबद्धता को प्रोत्साहित किया जा रहा है, जिसमें हर तीसरा शनिवार स्वच्छदानम-पच्चादानम दिवस को समर्पित है। यह व्यापक पहल एक स्वच्छ, हरियाली वाले वातावरण को बढ़ावा देकर अपने निवासियों के जीवन स्तर को बढ़ाने के लिए तेलंगाना सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

और अधिक पढ़ने के लिए यहां क्लिक करें

सफाई मित्रों को सशक्त बनाना: अपशिष्ट प्रबंधन में सुरक्षा, क्षतिपूर्ति और कौशल विकास को आगे बढ़ाना

सफाई मित्र-स्वच्छता कार्यकर्ता-शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में सार्वजनिक स्वास्थ्य और स्वच्छता को बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते/निभाती हैं। उनके अमूल्य योगदान के बावजूद, इन श्रमिकों को अक्सर सामाजिक कलंक, गरिमा और सम्मान की कमी, काम करने की अपर्याप्त स्वच्छ स्थिति और अपर्याप्त मुआवजे जैसी समस याओं का सामना करना पड़ता है।

इन चुनौतियों को स्वीकार करते हुए, HDFC बैंक, सेंटर फॉर एनवायरमेंट एजुकेशन (CEE) के सहयोग से, अक्टूबर 2021 से भारत के 6 शहरी क्षेत्रों और 3 ग्रामीण जिलों में 'सूखे और प्लास्टिक कचरे से मुक्त' ग्रामीण और शहरी परिदृश्य परियोजना के तहत विभिन्न हस्तक्षेपों को लागू कर रहा है। यह परियोजना 8 सेवा प्रदाताओं (कार्य में भागीदारों) के माध्यम से चलाई जा रही है।

इस पहल का उद्देश्य एक एकीकृत, समग्र चक्रीय अर्थव्यवस्था दृष्टिकोण के माध्यम से सूखा कचरा प्रबंधन के लिए स्थायी प्रथाओं को बढ़ावा देना है। 9 स्थानीय निकायों के सहयोग से, यह पहल प्लास्टिक कचरे के संचय के स्तर और पर्यावरण, जलवायु तथा मानव स्वास्थ्य पर इसके खतरनाक प्रभावों के बारे में जागरूकता बढ़ा रही है।

इस परियोजना ने गंजम (ओडिशा), समस्तीपुर (बिहार), बस्तर (छत्तीसगढ़), गुवाहाटी (असम), भुवनेश्वर (ओडिशा), रांची (झारखंड), महबूबनगर (तेलंगाना), और निर्मल (तेलंगाना) में 8 सामग्री संग्रहण सुविधाएं (MRFs) स्थापित की हैं, साथ ही बस्तर (छत्तीसगढ़) और जम्मू (जम्मू एवं कश्मीर) में 02 सामग्री पुनर्चक्रण केंद्र (MRCs) स्थापित किए हैं।

और अधिक पढ़ने के लिए यहां क्लिक करें

मध्य प्रदेश के खादी हाट गांव का बिजली मुक्त अपशिष्ट जल शोधन समाधान आदि... (GroundReport.in से उद्धृत)

स्वच्छ सड़कें, ढकी हुई नालियां, कचरा प्रबंधन, लगभग हर घर में नल का पानी और प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण सीहोर जिले की आष्टा तहसील के खादी हाट गांव की पहचान बन गए हैं। माखनलाल, अपनी मंद-मंद मुस्कान के साथ, खुशी से गांव के श्मशान घाट पर नए लगाए गए पौधों के पोषण के प्रति अपने उत्साह के बारे में बताते हैं। वह यहां इन पौधों को पानी देते हैं और उनका रखरखाव करते हैं। उन्हें पंचायत द्वारा मनरेगा के तहत नियोजित किया गया है। हाल ही में निर्मित DEWATS-विकेंद्रीकृत अपशिष्ट जल शोधन प्रणाली माखनलाल के कार्य के कौशल को बढ़ाती है। खादी ग्राम पंचायत गांव की प्राकृतिक ढलान का उपयोग लगभग 60% घरों से DEWATS तक गंदले जल (ग्रे-वाटर) को पहुंचाने के लिए कर रही है। DEWATS एक बिजली मुक्त जल शोधन समाधान है जो ऊंचाई से पानी खींचता है और विभिन्न ऊंचाइयों के चैम्बरों से होकर गुजरता है। पानी के अशुद्ध तत्व चैम्बरों में जमा हो जाते हैं, और साफ पानी अगले चैम्बर में चला जाता है। अंत में, आपको शोधित पानी मिलता है जिसका उपयोग पौधों को पानी देने और बाहरी गतिविधियों के लिए किया जा सकता है।

खादी हाट में DEWATS का निर्माण स्वच्छ भारत मिशन और मनरेगा के तहत 8.75 लाख रुपये के बजट से किया गया था। और यह प्रणाली स्थानीय अधिकारियों और ग्राम पंचायतों के बीच चर्चा का विषय बन गई है। इसके अलावा, अधिकांश सड़कों पर भूमिगत पीवीसी-पाइप वाली नालियां हैं। गांव के एक ओर घरों के दैनिक गंदले पानी का एक हिस्सा DEWATS की ओर पहुंचाया जाता है, जबकि दूसरा पुनर्भरण गड्ढे में पहुंचाया जाता है। जैसा कि उल्लेख किया गया है, DEWATS में फ़िल्टर्ड गंदले जल (ग्रे-वाटर) का उपयोग भूमि पर लगाए गए 500 पौधों को पानी देने के लिए किया जाता है।

और अधिक पढ़ने के लिए यहां क्लिक करें

स्वच्छता कर्मचारियों का सम्मान: गोवा में समर्पण और उत्कृष्टता का एक सामुदायिक समारोह

15 अगस्त, 2024 को गोवा की चिकालिम ग्राम पंचायत ने माननीय पंचायत राज मंत्री श्री मौविन गोडिन्हो और डाबोलिम के विधायक श्री मौविन गोडिन्हो के सहयोग से समुदाय के गुमनाम नायकों: स्वच्छता कर्मचारियों को सम्मानित करने के लिए एक महत्वपूर्ण कार्यक्रम की मेजबानी की। यह दिन डोर-टू-डोर कलेक्शन स्टाफ, मटेरियल रिकवरी फैसिलिटी (MRF) स्टाफ, ड्राइवर, सुपरवाइजर और ऑपरेटर सहित 14 सफाई कर्मचारियों के प्रयासों को हार्दिक मान्यता का साक्षी बना। गांव की स्वच्छता और साफ-सफाई बनाए रखने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका का उन सबके प्रति आभार और सम्मान के साथ जश्न मनाया गया।

ध्वजारोहण के तुरंत बाद आयोजित समारोह में सफाई कर्मचारियों के योगदान के महत्व पर प्रकाश डाला गया। प्रत्येक कार्यकर्ता को सूखे मेवों की एक-एक टोकरी और पुरस्कार के रूप में नकद राशि प्रदान की गई। यह उनकी कड़ी मेहनत के प्रति समुदाय की सराहना का प्रतीक है। इस कार्य ने न केवल उनके समर्पण को मान्यता दी, बल्कि गांव के दैनिक कामकाज में उनकी आवश्यक भूमिका पर भी प्रकाश डाला। सराहना के इन पुरस्कारों की प्रस्तुति कार्यबल को महत्व देने और उत्थान करने की पंचायत की प्रतिबद्धता का एक ऐसा साक्षात प्रमाण था जो प्राय: पर्दे के पीछे काम करता है।

और अधिक पढ़ने के लिए यहां क्लिक करें

ग्रामीण स्वच्छता का संवर्धन: राज्यों के लिए नीतिगत मंच में डीडीडब्ल्यूएस की भूमिका

माननीय केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव द्वारा 7 मार्च, 2024 को 'राज्यों के लिए नीति' मंच का शुभारंभ, डिजिटल गवर्नेंस में एक महत्वपूर्ण प्रगति थी, जो राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों (UTs) को सशक्त बनाने के लिए संसाधनों का एक केंद्रीकृत भंडार प्रदान करता है।

एक व्यापक डिजिटल भंडार के रूप में डिज़ाइन किया गया। यह मंच राज्य शासन की दक्षता और प्रभावशीलता को बढ़ाने के उद्देश्य से संसाधनों की संपदा प्रदान करता है। यह मंच 7,500 से अधिक सर्वोत्तम प्रथाओं, 5,000 नीतिगत दस्तावेजों, 900 डेटासेट, 1,400 डेटा प्रोफाइल और 350 नीति आयोग प्रकाशनों को समूहबद्ध करता है। इस विशाल भंडार का विस्तार कृषि, शिक्षा, स्वास्थ्य, जल संसाधन, स्वच्छता और शहरी विकास सहित कई क्षेत्रों तक है। यह लिंग और जलवायु परिवर्तन जैसे उन महत्वपूर्ण विषयों का भी निराकरण करता है, जो नीति और शासन के लिए एक समग्र दृष्टिकोण को दर्शाता है।

इस पहल में एक उल्लेखनीय योगदानकर्ता पेयजल और स्वच्छता विभाग (DDWS) है, जो स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) (SBM-G) चरण 2 के तहत ग्रामीण स्वच्छता और कचरा प्रबंधन में सहयोग करने के लिए सितम्बर माह की शुरुआत में शुभारंभ किए जाने वाले प्लेटफॉर्म के हेल्पडेस्क सेक्शन को आकार प्रदान करने में सक्रिय रूप से शामिल है। SBM-G का उद्देश्य ODF स्थिति को बनाए रखने, ठोस और तरल कचरे का प्रबंधन करके और उन्हें दृष्टिगत रूप से स्वच्छ रखकर हमारे सभी गांवों को खुले में शौच मुक्त (ODF) Plus Model बनाने की सुविधा प्रदान करना है।

ODF Plus Model, ग्रामीण स्वच्छता की दिशा में एक प्रगतिशील कदम है, जिसका उद्देश्य न केवल चरण-I के तहत प्राप्त खुले में शौच मुक्त (ODF) स्थिति को बनाए रखना है, बल्कि व्यापक स्वच्छता चुनौतियों का समाधान करना भी है। यह बुनियादी ढांचे को बढ़ाने, स्वच्छता प्रथाओं में सुधार करने और स्वच्छता सुविधाओं की स्थिरता सुनिश्चित करने पर केंद्रित है।

और अधिक पढ़ने के लिए यहां क्लिक करें

केरल की कादिरूर पंचायत की प्रेरणादायक यात्रा: कैंसर के इलाज के लिए निधि हेतु प्लास्टिक-जन्य प्रदूषण के विरुद्ध संघर्ष

केरल के उत्तरी मालाबार के हरे-भरे परिदृश्य में बसी कादिरूर ग्राम पंचायत वास्तव में प्रेरणादायक पहल के साथ कीर्तिमान बना रही है। इस पंचायत का विस्तार लगभग 15-20 वर्ग किलोमीटर तक हुई है, जिसकी आबादी लगभग 25,000-30,000 है। जनसंख्या समान रूप से विभिन्न आयु समूहों में बंटी हुई है, जिसमें महिलाओं की संख्या कुछ अधिक होती है। कादिरूर पंचायत की अर्थव्यवस्था मुख्य रूप से कृषि द्वारा संचालित है, जिसमें कई निवासी खेती और उससे संबंधित गतिविधियों में लगे हुए हैं। इसमें बुनाई और हस्तशिल्प जैसे पारंपरिक उद्योगों सहित विनिर्माण क्षेत्र भी महत्वपूर्ण योगदान देता है। शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा और वाणिज्य सहित सेवा क्षेत्र लगातार बढ़ रहा है। यह पंचायत कैंसर के इलाज के लिए धन का उपयोग करके प्लास्टिक प्रदूषण के खिलाफ अपनी लंबी लड़ाई को अच्छे के लिए एक शक्तिशाली शक्ति में बदलने में सक्षम रही है, जो इस बात पर प्रकाश डालती है कि हमारे पर्यावरण और स्वास्थ्य का आपस में कितना घनिष्ठ संबंध है। कन्नूर जिले का यह छोटा समुदाय यह प्रमाणित कर रहा है कि एक समस्या का समाधान करके, वे दूसरी से निपट भी सकते हैं। वे दुनिया को दिखा रहे हैं कि परिवर्तन घर से ही शुरू होता है।

For years, Kadirur has been waging a war on plastic with the slogan: Plastic causes cancer कई वर्षों से, कादिरूर इस नारे के साथ प्लास्टिक के खिलाफ युद्ध लड़ रहे हैं: प्लास्टिक कैंसर का कारण बनता है और इससे पर्यावरण प्रदूषित होता है। प्लास्टिक के उपयोग को कम करने के उनके अथक प्रयास आखिरकार रंग ला रहे हैं। अब पंचायत जिले में प्लास्टिक विरोधी आंदोलन के एक प्रकाशस्तंभ और ध्वजवाहक के रूप में खड़ी है।

और अधिक पढ़ने के लिए यहां क्लिक करें

स्वच्छता संबंधी अक्रमवर्ण (जंबल)

सफाई कर्मचारियों और उनके काम से संबंधित एक शब्द बनाने के लिए प्रत्येक वर्ग में क्रम-वार एक अक्षर रखकर, निम्नलिखित जंबल को हल करें।

YNGIDTI
□□□□□□□

PEP
□□□

YTFSAE
□□□□□□

RADZHA
□□□□□□

LOVESG
□□□□□□

अब निम्नलिखित प्रश्नों का उत्तर देने के लिए वृत्त में दिए गए अक्षरों को व्यवस्थित करें: स्वच्छता कर्मचारी क्या हैं: **स्वच्छता**

□□□□□□

उत्तर: Dignity, PPE, Safety , Hazard, Gloves, HEROES

राज्य के झरोखे से

श्री जय शिवानी,
मिशन निदेशक-SBM-G,
असम

असम में, स्वच्छ भारत मिशन-ग्रामीण (SBM-G) समाज के विभिन्न वर्गों से समावेशी भागीदारी के माध्यम से ODF Plus Model की स्थिति बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध है। ग्रामीण ठोस और तरल अपशिष्ट प्रबंधन के लिए संचालन और अनुरक्षण (O&M) संबंधी एक विस्तृत नीति तैयार की गई है। इस नीति में SBM-G परिसंपत्तियों की स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए SHG, स्थानीय पंचायती राज संस्थाओं और जिला अधिकारियों की भूमिकाओं को स्पष्ट करने का प्रस्ताव है। इसके अतिरिक्त, ठोस कचरा प्रबंधन परिसंपत्तियों के संचालन और रखरखाव के लिए असम राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन (ASRLM) के साथ एक समझौता ज्ञापन (MOU) पर हस्ताक्षर किए गए हैं। मलीय कीचड़ प्रबंधन (FSM) के लिए, स्थानीय मलीय कीचड़ शोधन संयंत्रों (FSTPs) का उपयोग करके अर्ध-शहरी क्षेत्रों में मलीय कचरे का प्रबंधन करने के लिए SBM-शहरी, पंचायत और ग्रामीण विभाग और SBM-ग्रामीण के बीच एक त्रिपक्षीय समझौता पत्र (LoU) पर हस्ताक्षर किए गए थे।

शौचालय निर्माण में अंतराल को दूर करने के लिए, SBM-G मिशन निदेशालय ने जियो-टैग तस्वीरों के साथ ग्रामीण शौचालय निर्माण की निगरानी के लिए 'डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर मोबाइल एप्लिकेशन' विकसित किया है। 2 लाख से अधिक लाभार्थियों को स्व-निर्मित शौचालयों के लिए मौद्रिक सहायता मिली है।

एक अभिनव कदम के रूप में, मध्याह्न भोजन (मिड डे मील) से जैविक (बायोडिग्रेडेबल) कचरे के सुरक्षित निपटान के लिए स्कूलों में पाइपगत कम्पोस्टिंग यूनिट (PCU) शुरू की गई हैं। इस पहल का उद्देश्य परिसरों के आसपास खुले में अपशिष्ट निपटान से पर्यावरणीय क्षति को रोकना है।

संपत्ति निर्माण के साथ-साथ, स्वच्छता को बढ़ावा देने के लिए स्कूल/कॉलेज के छात्रों, SHG महिलाओं और ग्रामीण समुदायों को लक्षित करते हुए व्यापक क्षमता निर्माण और IEC अभियान आयोजित किए जाते हैं। "असम यूथ इनिशिएटिव" के तहत, 'NSS WASH जागरूकता समूह' नामक एक परियोजना प्रस्तावित है, जो छात्रों को WASH (जल, स्वच्छता और साफ-सफाई) के बारे में जागरूकता बढ़ाने और सुरक्षित स्वच्छता प्रथाओं को बढ़ावा देने के कार्य हेतु जोड़ती है। ग्रामीण क्षेत्रों के डिग्री स्तर के कॉलेज के छात्रों को स्वच्छता प्रथाओं का आकलन करने और WASH के बारे में जागरूकता का प्रसार करने के लिए स्वयंसेवकों के रूप में लगाया जाता है, जिससे गांवों में ODF स्थिति की स्थिरता सुनिश्चित होती है। इस पहल के लिए प्रति जिले में लगभग 100 NSS स्वयंसेवकों को प्रशिक्षित करने का प्रस्ताव है। विश्व पर्यावरण दिवस 2024 के मद्देनजर, असम के युवाओं द्वारा स्वच्छता और पर्यावरणीय स्थिरता पर अद्यतन जानकारी प्रदान करने के लिए एक ऑनलाइन सर्वेक्षण किया गया था।

5 जून से 15 जून तक किए गए सर्वेक्षण में 15-30 वर्ष की आयु के युवाओं को शामिल किया गया था और उन्हें सोशल मीडिया के माध्यम से वितरित प्रश्नावली से जुड़े QR कोड के माध्यम से सुविधा प्रदान की गई थी। सर्वेक्षण के परिणामों ने WASH और पर्यावरण संबंधी प्रथाओं की निगरानी की, जिससे ज़िला-वार विश्लेषण और आयोजना की अनुमति मिली। वर्तमान में पूरे असम में उल्टी-दस्त रोकने का अभियान (The Stop Diarrhoea Campaign) सक्रिय है, जो जलजनित रोगों को रोकने के लिये विशेष रूप से बाढ़ राहत शिविरों और बाढ़ के बाद गाँवों में सुरक्षित WASH प्रथाओं पर ध्यान केंद्रित कर रहा है।

स्वतंत्रता दिवस से पहले के समारोहों के अंतर्गत SBM-G ने 'हमारे परिवारों को WASH आकलन कार्यक्रम के लिये जानें' की शुरुआत की, जिसमें PHE प्रभागों को WASH सेवाओं का मूल्यांकन करने के लिये ग्रामीण परिवारों का औचक सर्वेक्षण करने का निर्देश दिया गया। मिशन निदेशालय, SBM-G असम, असम को 'स्वच्छ और हरा' बनाने और स्वच्छता को जीवन के तरीके के रूप में आत्मसात करने के प्रति समर्पित है।

केंद्रीय मंत्री की कलम से

हम SBM-G के कार्यान्वयन के अंतिम वर्ष में प्रवेश कर रहे हैं, अत: हमारा ध्यान ODF Plus Model, जिसमें व्यापक ठोस और तरल अपशिष्ट प्रबंधन, ODF स्थिरता और सौंदर्यीकरण के प्रयास शामिल हैं, को प्राप्त करने पर बना रहेगा। अब, हमारे लक्ष्यों की ओर बढ़ने के लिए राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों और मंत्रालयों/विभागों में सहयोग और सामंजस्य पहले से कहीं अधिक महत्वपूर्ण है। साथ मिलकर, हम स्वच्छता के बुनियादी ढांचे को मजबूत कर सकते हैं, प्रभावी कचरा प्रबंधन प्रथाओं को बढ़ावा दे सकते हैं, और यह सुनिश्चित कर सकते हैं कि हमारे समुदाय स्वच्छ और जीवंत हों। आइए हम स्वच्छता को अपने राष्ट्र के लिए एक स्थायी विरासत बनाने और सभी के लिए स्वस्थ भविष्य सुरक्षित करने के इस अंतिम प्रयास में एकजुट हों।

श्री वी. सोमण्णा
केंद्रीय राज्य मंत्री, जल शक्ति मंत्रालय

सचिव की कलम से

हम स्वच्छ भारत मिशन के दूसरे चरण के कार्यान्वयन के अंतिम वर्ष में प्रवेश कर रहे हैं, अत: हमारा लक्ष्य प्रत्येक राज्य/संघ राज्य क्षेत्र के लिए 100% ODF Plus Model गांवों को प्राप्त करना है। आगामी स्वच्छता पखवाड़े के माध्यम से, हमारा लक्ष्य स्वच्छता की ऐसी संस्कृति का निर्माण करना है जो इसे हमारे राष्ट्रीय विकास के केंद्र-बिंदु के रूप में स्थापित करे। हमने विभिन्न विषयों पर लक्षित अभियानों की योजना बनाई है, और हम राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों से हर संभव सहयोग और भागीदारी की उम्मीद करते हैं। हम ऐसे स्थायी स्वच्छता समाधान सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं जो सभी समुदायों को लाभान्वित करें और एक स्वस्थ भारत निर्माण करें।

श्रीमती विनी महाजन,
सचिव, पेयजल एवं स्वच्छता विभाग,
जल शक्ति मंत्रालय

NIRDPR न्यूज़ लेटर

पढ़ने के लिए यहां क्लिक करें

ओएसडी की कलम से

मैं पहले से किए जा रहे उल्लेखनीय कार्यों से सीखने और नए सिरे से ध्यान केंद्रित करने के साथ मिशन को जारी रखने के लिए उत्सुक हूं। चूंकि हम स्वच्छता ही सेवा के पथ पर अग्रसर हैं, अत: यह महत्वपूर्ण है कि हम पिछली उपलब्धियों से आगे बढ़कर कार्य करें, सहयोग को बढ़ावा दें और ग्रामीण स्वच्छता में प्रगति के अगले चरण को आगे बढ़ाएं। साथ मिलकर, हम अपने प्रयासों को आगे बढ़ा सकते हैं, अभिनव समाधानों को अपना सकते हैं और यह सुनिश्चित कर सकते हैं कि भारत का हर गांव स्थायी स्वच्छता और स्वास्थ्य के मार्ग पर निरंतर आगे बढ़ता रहे।.

श्री अशोक कुमार कलुआराम मीना
ओएसडी, पेयजल एवं स्वच्छता विभाग,
जल शक्ति मंत्रालय

मिशन निदेशक की कलम से

इस वर्ष के शेष भाग में, हमारा ध्यान ऐसे लक्षित अभियानों पर है जो हमें सामंजस्य और सहयोग पर विशेष जोर देने के साथ सभी गांवों में ODF Plus Model प्राप्त करने में सक्षम बनाएंगे। हम गांवों में ODF सततता के साथ ही आजीविका सुनिश्चित करने, समुदायों और महिला स्वच्छता कार्यकर्ताओं को शामिल करने, कचरे को कंचन में बदलने और अभिनव पहलों को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। आने वाले महीने हमारे मिशन को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण हैं, एक साथ, प्रयासों और साझा प्रतिबद्धता के अभिसरण के माध्यम से, हम सभी के लिए अपेक्षाकृत अधिक स्वच्छ, स्वस्थ और गतिशील भारत का निर्माण कर सकते हैं

श्री जितेन्द्र श्रीवास्तव
संयुक्त सचिव एवं मिशन निदेशक
(SBM-G), DDWS, जल शक्ति मंत्रालय

स्वच्छता समाचार के अगले अंक में योगदान करने के लिए, हर महीने की 15 तारीख से पहले swachhbharat@gov.in पर अपनी प्रस्तुति साझा करें।

पेयजल एवं स्वच्छता विभाग
जल शक्ति मंत्रालय
भारत सरकार
DEPARTMENT OF DRINKING WATER AND SANITATION
MINISTRY OF JAL SHAKTI
GOVERNMENT OF INDIA
सत्यमेव जयते

विशेष सचिव का कार्यालय
पेयजल एवं स्वच्छता विभाग, जल शक्ति मंत्रालय
भारत सरकार।

चौथी मंजिल, पंडित दीनदयाल अंत्योदय भवन, CGO कॉम्प्लेक्स,
लोधी रोड, नई दिल्ली–110003
फोनः 011–24362192 | ईमेलः arun.baroka@nic.in